सौराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा

4946. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सौराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग लगाने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए कोई समिति गठित की है;

(ख) सरकार द्वारा इस क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक क्रान्ति लाने के लिये और वहां के बेरोजगार युवाओं को स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ग) सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के बजट में इस योजना के लिये कितनी राशि आवंटित की है?

उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री एम. अरूणाचलम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) शिक्षित बेरोजगार युवकों के लिए प्रधान मंत्री की रोजगार योजना सारे देश में कार्यान्वित की जा रही है । इसके अलावा, खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग भी सौराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों सहित सारे देश में ग्रामीण उद्योगों के संवर्धन और रोजगार सृजन हेतु अनेक योजनाएं चला रहा है ।

(ग) चालू वित्तीय वर्ष (1994-95) के बजट में प्रधान मंत्री रोजगार योजना के लिए 145 करोड़ रुपये और खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं हेतु 214 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गयी है ।

मध्य प्रदेश में निजी उद्यमियों द्वारा उद्योगों की स्थापना

4947. **श्री अजीत जोगी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार को निजी उद्यमियों से मध्य प्रदेश के विभिन्न भागों में उद्योगों की स्थापना करने के लिये प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो किस प्रकार के उद्योग लगाए जाने की संभावना है और उन्हें कहां-कहां पर लगाया जायेगा तथा इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन प्रस्तावों को कब तक स्वीकृति दे दिये जाने की संभावना है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) निजी उद्यमों से मध्य प्रदेश के रायपुर, इंदौर, रायसेन, बिलासपुर, दुर्ग, ग्वालियर, भिंड, सिधि, पूर्वी निमार, रतलाम, धार, उज्जैन, छिन्दवाड़ा, भोपाल, शहडोल आदि जिलों में उद्योग लगाने के लिए 1992 और 1993 के दौरान 68 आवेदन आशय पत्रों की मंजूरी के लिए प्राप्त हुए ।

ये आवेदन अनुसूचित उद्योगों यानि औषध एवं भेषज, चीनी, वस्त्र, चमड़ा, विस्फोटक, ईंधन तथा रसायन आदि से संबंधित विभिन्न मदों के विनिर्माण के लिए हैं ।

(ग) उपर्युक्त 68 आवेदनों में से 44 आशय पत्र मंजूर किये गये हैं और 22 आवेदन नामंजूर किये गये हैं (1-4-94 की स्थिति के अनुसार) ।

स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना को लिये सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा धनराशि का उपयोग

4948. **श्री अजीत जोगी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में आर्थिक सुधार आरम्भ करने के बाद से अब तक स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना को अपनाने वाले सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों की उपक्रम-वार और पद-वार संख्या कितनी है;

(ख) इस प्रयोजनार्थ राष्ट्रीय नवीकरण कोष में अलग से कूल कितनी धनराशि रखी गई हैं, और

(ग) इस प्रयोजनार्थ सरकारी क्षेत्र के प्रत्येक उपक्रम द्वारा अब तक कूल कितनी धनराशि का उपयोग किया गया है?

उद्योग मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) 31-3-1993 को समाप्त 4 वर्षों की अवधि तक के आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध हैं, जिसके अनुसार सरकारी क्षेत्र के 120 उद्योग में कार्यरत 88,371 कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प दिया है ।